

16.2.21

आज फाजली पेशा उद्दी बकील वाडी व  
प्रतिवाडी अनुपरिष्णत कइ वार आवाज  
लगाइ गइ कोइ उपरिष्णत गही फाजली  
अडम पैशी व अडम हाजरी व आरिष्णकी  
जाकर फाजली घेसल सुमार होकर उरिष्ण  
उपतर ही

अपखण्डाधिकारी  
बादी (दोबपुर) राज

